1 17 April PG II Sem

ग्राम पंचायतों के उद्देश्य
(Aims of Panchayati Raj)

ग्राम पंचायतों का उद्देश्य ग्रामीण जनता का सर्वांगीण विकास करना है। जिन उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए ग्राम पंचायतों का गठन किया गया है, वे इस प्रकार हैं—

(1) **प्रजातांत्रिक विकेन्द्रीकरण**—भारत में ग्राम पंचायतों की स्थापना का प्रमुख उद्देश्य प्रजातांत्रिक शक्ति को संसद से ग्रामीण जनता तक प्रसारित करना है। भारत जैसे विशाल देश में शासन करना तभी सम्भव है, जब स्थानीय शासन व्यवस्था को छोटी-छोटी इकाइयों में संगठित किया जाए। ग्राम पंचायतें इसी उद्देश्य की पूर्ति करती हैं।

(2) **स्वस्थ जनमत का निर्माण**—भारत में अनेक प्रकार की कुरीतियां हैं। इन सामाजिक कुरीतियों को दूर करने में स्वस्थ जनमत की महत्त्वपूर्ण भूमिका होती है। ग्राम पंचायतें स्वस्थ जनमत का निर्माण करके सामाजिक कुरीतियों को समाप्त करने के उद्देश्य से गठित की गई हैं।

(3) **जन सहभागिता**—जन सहभागिता का सामाजिक समस्याओं के समाधान और पुनर्निर्माण में महत्त्वपूर्ण भूमिका होती है। ग्राम पंचायतों के गठन का उद्देश्य ग्रामीण समुदाय की समस्याओं को स्वयं ग्रामीणों की सक्रिय सहभागिता से सुलझाना है।

(4) **नागरिकता की शिक्षा**—प्रजातंत्र की सफलता के लिए नागरिकों में नागरिकता का ज्ञान अनिवार्य है। ग्राम पंचायतें अनेक प्रकार के कार्यक्रमों, नैतिकता, अनुशासन आदि की शिक्षा देती हैं। इस प्रकार नागरिकता की शिक्षा प्रदान करना ग्राम पंचायतों का उद्देश्य है।

(5) **नेतृत्व का विकास**—प्रजातंत्र की सफलता के लिए नेतृत्व अनिवार्य दशा है। नेतृत्व के अभाव में प्रजातंत्र लंगड़ा हो जाता है। ग्राम पंचायत के सदस्य विकास कार्यों का उत्तरदायित्व अपने ऊपर ले लेते हैं तथा पंचायतों के अन्य कार्यों में सक्रिय सहयोग देते हैं। इस प्रकार ग्राम पंचायतें उचित नेतृत्व का विकास करती हैं।

(6) **ग्रामीण विकास**—भारत में ग्राम पंचायतों की स्थापना का उद्देश्य ग्रामीण विकास द्वारा 'रामराज्य' की स्थापना करना है। कृषि और उद्योग भारतीय ग्रामीण अर्थव्यवस्था के आधार हैं। इन दोनों को विकसित करने में ग्राम पंचायतों की भूमिका महत्त्वपूर्ण है।

ग्रामीण पुनर्निर्माण में पंचायतों का महत्त्व या भूमिका
(Importance of Role of Panchayats in Rural Re-construction)

प्राचीन भारत की ग्राम पंचायतें भारतीय ग्रामीण जीवन की खुशहाली की प्रतीक थीं। इसलिए गांधी जी ने पंचायतों को '*रामराज्य*' का प्रतीक माना है। भारतीय ग्रामीण जीवन के पुनर्निर्माण और पुनरुत्थान में ग्राम पंचायतों की भूमिका या महत्त्व को निम्नलिखित बिन्दुओं के आधार पर समझा जा सकता है—

Scanned with CamScanner

A ● ***सामाजिक जीवन में पंचायतों का महत्त्व***

सामाजिक जीवन में पंचायतों का निम्नलिखित महत्त्व है—

(1) **शिक्षा व्यवस्था**—अशिक्षा ग्रामीण प्रगति और विकास के मार्ग में सबसे बड़ी बाधा है। पंचायतों का शिक्षा के संगठन और प्रसार में काफी योगदान रहा है। प्राथमिक, सामाजिक, प्रौढ़ और स्त्री शिक्षा के क्षेत्र में पंचायतों ने महत्त्वपूर्ण कार्य किया है। स्कूलों को खोलना तथा उनकी देख-रेख का कार्य भी पंचायतें करती हैं।

(2) **सार्वजनिक बाजार**—ग्रामीण जीवन में जनता को उचित बाजार नहीं मिल पाता है। सेठ, साहूकार और दलाल, उनका मनमाना शोषण करते हैं। ग्राम पंचायतों ने बाजारों की व्यवस्था और नियन्त्रण को अपने हाथ में लेकर समस्या को दूर किया है।

(3) **मद्यनिषेध**—त्योहारों तथा उत्सवों में मद्य-वस्तुओं का सेवन भारतीय ग्रामीण जीवन की आम बात है। मद्यनिषेध के क्षेत्र में भी ग्राम पंचायतों ने महत्त्वपूर्ण कार्य किया है।

(4) **समाज सुधार**—ग्रामीण जीवन में अनेक समस्याएं व्याप्त हैं। ग्राम पंचायतें इन समस्याओं के समाधान में महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा कर सकती हैं। अस्पृश्यता, जातिवाद, दहेज प्रथा, बाल विवाह, पर्दा प्रथा आदि समस्याओं के समाधान में ग्राम पंचायतें अनुकूल वातावरण का निर्माण करती हैं।

(5) **मातृत्व एवं बाल-कल्याण**—भारतीय जीवन अनेक अन्धविश्वासों का शिकार है। इस कारण अनेक माताओं तथा शिशुओं की मृत्यु हो जाती है। माताओं और शिशुओं के हितों की रक्षा राष्ट्रीय जीवन में महत्त्वपूर्ण है। इस दृष्टि से पंचायतों का अत्यन्त ही महत्त्वपूर्ण स्थान है।

B ● ***जन-कल्याण में पंचायतों का महत्त्व***

जन कल्याण के कार्यों में पंचायतों का निम्नलिखित महत्त्व है—

(1) **स्वास्थ्य की उन्नति**—ग्राम पंचायतें ग्रामीण जनता के स्वास्थ्य को उन्नतिशील बनाने में सहायता करती हैं। वे ग्रामीण जनता के स्वास्थ्य साधनों की जानकारी रखती हैं तथा स्वास्थ्य स्तर को ऊपर उठाने का प्रयास करती हैं।

(2) **चिकित्सा व्यवस्था**—ग्राम पंचायतें बीमारियों के रोकथाम का भी प्रबन्ध करती हैं। पंचायतें ग्रामीण जीवन की संक्रामक बीमारियों का पता लगाती हैं तथा उन बीमारियों की रोकथाम, उपचार का प्रबन्ध करती हैं।

(3) **सफाई**—ग्रामीण जीवन में गन्दगी व्याप्त रहती है, जिससे अनेक बीमारियों के फैलने की आशंका बनी रहती है। ग्राम पंचायतें गांवों की सफाई का प्रबन्ध करती हैं।

(4) **पेय जल की व्यवस्था**—गांवों में शुद्ध पीने के पानी का अभाव पाया जाता है। इससे पेट की अनेक बीमारियों की आशंका रहती है। इस क्षेत्र में ग्राम पंचायतें अनेक महत्त्वपूर्ण कार्य सम्पादित कर सकती हैं।

(5) **यातायात व्यवस्था**—भारतीय ग्रामीण जीवन में यातायात एक बड़ी समस्या है। सड़कों की मरम्मत, नई सड़कों का निर्माण, रोशनी, सफाई आदि के क्षेत्र में पंचायतें महत्त्वपूर्ण

Stop Here

Scanned with CamScanner